Faheem
Gr. I.
11/7/20
[illegible]

B.A.I Honours
Paper-II
M.A. John
SOCIOLOGY

# हिन्दू विवाह के स्वरूप

यजुर्वेद में हिन्दू विवाह के अनेक विधि विधानों का उल्लेख किया गया है।

हिन्दू शास्त्रकारों ने भी अनेक प्रकार के विवाहों को मान्यता दी है। चाहे वे वैधिक हो या अवैधिक

मनुस्मृति में आठ प्रकार के विवाहों की चर्चा की गयी है जो इस प्रकार है।

1. Brahma विवाह
2. दैव विवाह
3. आर्ष विवाह
4. प्राजापत्य विवाह
5. गांधर्व विवाह
6. राक्षस विवाह
7. असुर विवाह
8. पैशाच विवाह

उपरोक्त वर्णित स्वरूपों में चार धर्म विवाह तथा उनमें से चार अधर्म विवाह कहे जा सकते हैं।

आज के युग में हिन्दू समाज में विवाह के चार स्वरूपों को प्रचलन साफ रूप से देखा जा सकता है।

1. Brahma wivah
2. Asur wivah
3. Gandharv wivah.
4. Prajapat

इन चारों विवाहों का प्रचलन थोड़ी बहुत भिन्नता के साथ आज भारत में पाया जाता है। जिसमें Brahma तथा Prajapat श्रेष्ठ माना जा सकता है।

Scanned with CamScanner